

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र-द्वितीय, जोधपुर

हिन्दी पखवाड़ा का समापन एवं राजभाषा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

30 सितम्बर 2026, जोधपुर

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र-द्वितीय, जोधपुर में दिनांक 15 सितम्बर से 30 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। आज हिन्दी पखवाड़ा के समापन एवं राजभाषा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि आचार्य महिपाल सिंह राठौड़, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में हिन्दी राजभाषा है तथा इसे राष्ट्रभाषा बनाने के लिये सभी प्रयासरत है। हिन्दी एक सरल, सरस और मीठी भाषा है। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसकी अपनी भाषा में ही हो सकती है जो कि भारत के लिए हिन्दी हो सकती है। वर्तमान में तकनीकी के युग में हिन्दी को अद्यतन करने की आवश्यकता है। साथ ही बताया की वर्तमान में हिन्दी में प्रशासनिक कार्य करना तो सरल हो गया है परन्तु इसकी देवनागरी लिपि को नुकसान की आशंका बनी हुई है। उन्होंने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के विभिन्न प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि इस संस्थान में भी किसानों तक कृषि की नवीनतम तकनीकों की जानकारी को पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक हिन्दी भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

इस अवसर पर बोलते हुए संस्थान के प्रभारी निदेशक एवं राजभाषा समिति के अध्यक्ष, डॉ. प्रेम पाल रोहिल्ला ने कहा कि सितम्बर माह में राजभाषा हिन्दी विभाग, नई दिल्ली द्वारा हमारा संस्थान अधिसूचित किया गया है, इसलिए भी हमें कार्यालय और दैनिक जीवन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाना चाहिये। हिन्दी में पत्राचार और फाइल पर टिप्पणी को यदि नियमित रूप से करेंगे तो निश्चित रूप से हम हिन्दी की बेहतर सेवा कर पाएंगे।

इस अवसर पर कार्यालय के राजभाषा समिति के अध्यक्ष, डॉ. प्रेम पाल रोहिल्ला, प्रधान वैज्ञानिक (पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन) ने स्वागत उद्बोधन दिया और हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का विवरण एवं राजभाषा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक का प्रगति प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। डॉ. रोहिल्ला ने बताया कि पिछले तीन महीनों में संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर कुल 12 लोकप्रिय आलेख एवं शोध पत्र तथा एक पुस्तक हिन्दी में प्रकाशित की हैं। कुल 32 पत्राचार हिन्दी में प्राप्त हुए तथा 35 पत्राचार हिन्दी में विभिन्न संस्थानों को प्रेषित किए गए। कार्यालय के दैनिक कार्य में विभिन्न फाइलों पर कुल 45 टिप्पणीयां हिन्दी में अंकित की गई।

मुख्य अतिथि और कार्यक्रम अध्यक्ष ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए एवं हिन्दी पुस्तक 'वैज्ञानिक बकरी पालन' का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में संस्थान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया, संचालन डॉ. बाबूलाल जांगिड़, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने किया और अंत में धन्यवाद प्रस्ताव राजभाषा समिति के सचिव, श्री राजेंद्र बैदा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, ने ज्ञापित किया।

